हर जनम खाटू में पाऊं | By Yogi Raj Shandilya

इतनी मेरी बिनती तुमसे
पूरी करना श्याम कसम से
और नहीं कुछ चाहूं
बस जन्म अगला बाबा
तेरे खाटू में पाऊं

जब तक तन में सांस हमारे
आके यूं ही द्वार तुम्हारे
चरणों में शीश झुकाऊं
बस जन्म अगला बाबा
तेरे खाटू में पाऊं
इतनी मेरी बिनती तुमसे

मैंने अपने कर्मों का
पूरा फल पाया !
खाटू की धरती मिली
और तेरा साया
जीना मरना ! शाम यही अब !
और कहीं ना जाऊं
बस जन्म अगला बाबा
तेरे खाटू में पाऊं

पत्थर का एक टुकड़ा था
पारस मुझे किया
जब से जीवन सांवरे
तेरी शरण किया
तेरा करम जो
मुझ पर हुआ है
कैसे उसे भुलाऊं
बस जन्म अगला बाबा
तेरे खाटू में पाऊं
इतनी मेरी बिनती तुमसे

मेरी क्या औकात है
सब तेरा एहसान
तुमने अपने प्रेमी का
हर पल रखा ध्यान
योगी कहता पल-पल बाबा
तेरा शुक्र मनाऊं
बस जन्म अगला बाबा
तेरे खाटू में पाऊं
इतनी मेरी बिनती तुमसे

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b9%e0%a4%b0-%e0%a4%9c%e0%a4%a8%e0%a4%ae-%e0%a4%96%e0%a4%be%e0%a4%9f%e0%a5%82-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%aa%e0%a4%be%e0%a4%8a%e0%a4%82-by-yogi-raj-shandilya/